प्रतिदिन अखबार
सकारात्मक सोच का 3रा दशक
लाली
अमरावती ■ गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026
www.pratidinakhabar.com

दीपिका-रणवीर ने अपनी छोटी बेटी का नाम रखा 'देवी'

दशहरे के शुभ अवसर पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी छोटी बेटी की पहली झलक और उसका नाम साझा किया. दीपिका-रणवीर ने अपनी दूसरी बेटी का नाम 'देवी पादुकोण सिंह' रखा है. इस प्यारी जोड़ी ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार की एक प्यारी सी तस्वीर फैंस के साथ शेयर करके यह जानकारी दी. इस खूबसूरत तस्वीर में रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, उनकी बड़ी बेटी दुआ और उनकी नवजात बेटी नजर आ रही हैं.

तस्वीर के साथ उन्होंने एक भावुक मेसेज भी लिखा, 'प्यार और खुशियों से भरपूर, देवी पादुकोण सिंह.' देखा जाए, तो इस घोषणा के साथ दीपिका और रणवीर ने अपनी जिंदगी की एक नई शुरुआत का जश्न मनाया. उनके बढ़ते परिवार में आई नई खुशियां और प्यार इस खास पल को और भी यादगार बना रहे हैं. तस्वीर उनकी बड़ी बेटी दुआ अपनी छोटी बहन का प्यार से स्वागत करती नजर आ रही हैं.

मेरी अपनी पहचान है : लवप्रीत गिल

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में पंजाबी अभिनेत्री लवप्रीत गिल की एंट्री के बाद उसकी तुलना 'बिग बॉस 13' की चर्चित कंटैस्टैंट शहनाज गिल से की जा रही है. इस पर लवप्रीत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दर्शकों से उसे एक अलग कलाकार के रूप में पहचानने और प्यार देने की अपील की है.

लवप्रीत ने कहा, "शहनाज गिल मेरी सीनियर कलाकार हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं, लेकिन मेरी अपनी अलग पहचान है . मेरी लोगों से अपील है कि मेरी शहनाज से तुलना न करें, बल्कि एक अलग कलाकार के रूप में मुझे जानें और प्यार दे."

गौरतलब है कि शहनाज गिल ने 'बिग बॉस 13' में 'पंजाब की कैटरीना' के नाम से एंट्री की थी. अपने चुलबुले अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के कारण वह जल्द ही दर्शकों की पसंदीदा बन गई थी. शो में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उसकी बॉन्डिंग भी खूब चर्चा में रही .

दोनों की जोड़ी को प्रशंसकों ने 'सिडनाज' नाम दिया था. शहनाज इस सीजन में सैकेंड रनर-अप रही थी, जबकि सिद्धार्थ शुक्ला ने खिताब अपने नाम किया था .

'बिग बॉस' के घर में जाने से पहले लवप्रीत काफी उत्साहित थी. हालांकि, 24 घंटे कैमरों की निगरानी में रहने और अपनी हर गतिविधि दर्शकों के सामने रहने को लेकर उसके मन में कुछ आशंकाएं भी थीं. 'बिग बॉस' का ऑफर मिलने और वोटिंग में चुने जाने के बाद अपने मन की स्थिति के बारे में बात करते हुए लवप्रीत ने कहा था कि इस समय उसके मन में कई तरह की भावनाएं हैं. वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी है.

उसने कहा कि पंजाब में शायद ही कोई ऐसा होगा, जिसने उसके लिए वोट न किया हो . मिल रहा प्यार उसके लिए बेहद मायने रखता है.

शो में करीब 90 से 100 दिन तक दुनिया से दूर रहने और लगातार कैमरों के बीच रहने को लेकर लवप्रीत ने माना कि उसके मन में थोड़ा डर है. उसे चिंता रहती है कि कैमरे पर वह कैसी दिखेगी.

सुबह की सरगी से रात की चांदनी तक

करवाचौथ (29 अक्टूबर) पर विशेष

करवा चौथ प्रेम, आशीर्वाद, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का खूबसूरत उत्सव है. इस दिन के लिए तैयारियां यदि समय रहते पूरी कर ली जाएं, तो हर पल खास बन सकता है और सरगी की मिठास से चांद के दीदार तक का यह सुहाना सफर रिश्तों में प्रेम घोल सकता है.

वीरों कड़िए करवड़ा,
लै सर्व सुहागन करवड़ा...

इस गीत को दोहराने और सुहागिनों के करवा पूजने, थाली फेरने और चांद को देखकर पति की खुशहाली की कामना करने वाले करवा चौथ व्रत का दिन आ रहा है. पति की दीर्घायु के लिए किया जाने वाला यह व्रत तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब घर में नई बहू आई हो और अपना पहला करवा चौथ मना रही हो. नई बहू में पति के लिए व्रत रखने का उत्साह रहता है, वहीं सासु मां भी खुशी-खुशी अपनी नई-नवेली बहू के लिए सरगी और श्रृंगार का प्रबंध करती हैं. उसे सदा सुहागिन रहने का आशीर्वाद देती हैं. लेकिन इस व्रत को शगुन के साथ निभाने के लिए जरूरी है कि एक-दो दिन पहले ही सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि पूजा और व्रत सफल हो और सास व बहू हर रस्म में अपनापन, सम्मान और सहजता का अनुभव करें.

✍ यशा माथुर

थाली में नेह की सौगात

अगर घर में नई बहू का पहला करवा चौथ है, तो सरगी की थाली विशेष रूप से सजाई जानी चाहिए. लाल सुनहरे कपड़े पर फल, मेवे, मिठाई, मठरी, चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर और एक चुनरी रखकर इसे पारंपरिक रूप दिया जाता है. सास सरगी में बहू की पसंद का कोई उपहार भी शामिल कर सकती हैं.

तैयारी: चूंकि सरगी सास करवाती हैं, इसलिए इसकी तैयारी उन्हें ही करनी या करवानी होती है. सरगी की थाली के लिए चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर और उपहार तो कई दिन पहले भी मंगवाए जा सकते हैं, मगर फल, मेवा, मिठाई, मठरी का प्रबंध पूर्व संध्या पर ही किया जाना चाहिए. सास सरगी और आशीर्वाद की इस थाली को सजाकर, सुंदर बनाकर मन से बहू को दें.

सज गई चौकी, महक गया आंगन

शाम की पूजा के लिए घर में स्वच्छ स्थान पर चौकी सजाई जाती है. चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर पूजा की सामग्री रखें. करवा से सजी पूजा की थालियां यहां रखें. कई परिवार गणेशजी और माता पार्वती का चित्र भी रखते हैं और कई करवा चौथ माता की फोटो.

तैयारी: फूलों की माला, छोटी रंगोली और पारंपरिक थाली की सजावट पूजा की सुंदरता बढ़ाती है. थाली में रोली और अक्षत, दीपक बाती, फूल, मिठाई, जल का छोटा पात्र, करवा और ढक्कन, चंद्रमा देखने के लिए छलनी, अर्घ्य देने के लिए जल का लोटा पहले ही रख दें.

रची मेहंदी, चमक रहा श्रृंगार

अब जब पूजा की तैयारी हो गई है, तो सजने- संवरने का उल्लास साकार करने का समय आ जाता है. मेहंदी अपना रंग ले चुकी होती है और खूबसूरत रंगों के पारंपरिक परिधान पहनने का अवसर आ जाता है. नई बहू का पहला करवा चौथ तो बहुत ही विशेष माना जाता है. जब महिलाएं साड़ी, लहंगा या सूट पहन लेती हैं तो हाथों में खनकती चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, पायल, बिछिया और पारंपरिक आभूषण उनके श्रृंगार को पूर्ण कर देते हैं.

तैयारी: मेहंदी आप एक दिन पहले ही लगवा लें, ताकि उसे सूखने और रचने के लिए पर्याप्त समय मिल सके. कपड़े, आभूषण और मेकअप की सामग्री सुबह ही व्यवस्थित कर लें. नई बहू के लिए सास की ओर से पारंपरिक चुनरी या श्रृंगार सामग्री भेंट करना इस अवसर को और आत्मीय बनाता है.

कथा, करवा और लोकगीत

सूरज ढलने से पहले ही कई महिलाएं अपने परिवार और परिचितों के समूहों में पूजा करती हैं. एक साथ बैठकर करवा चौथ माता की कथा सुनती हैं. इसके बाद 'ले सुहागन करवा ले, ला सुहागन करवा ला', या 'वीरों कुड़िए करवड़ा, लै सर्व सुहागन करवड़ा' जैसे पारंपरिक बोलों के साथ एक-दूसरे के साथ थालियां फेरने की रस्म निभाती हैं.

तैयारी: इस रस्म के लिए पहले से ही कथा की पुस्तक और सजी हुई पूजा की थालियां रख लें. यदि घर में बुजुर्ग महिलाएं हैं, तो उनसे पारंपरिक गीतों और बोलों को सीख लें. कुछ परिवारों में बायना देने की रीति होती है. इसमें पहले बायना मनसा जाता है और फिर बहू, सास को बायना देती है. आप इसकी तैयारी भी पहले ही कर लें.

चांद की चांदनी में अर्घ्य की अंजलि

जब आसमान में चांद की चांदनी बिखरने लगती है, तो रिश्तों में प्रेम की रोशनी भी जगमगाने लगती है. करवा चौथ की सबसे महत्वपूर्ण रस्म चांद को देखकर उसे जल अर्पित करने की होती है. अब छलनी से चांद देखने और फिर जीवनसाथी को देखने की एक नई परंपरा भी बन गई है. इसके बाद व्रत खोलने के लिए परिवार के सब लोग साथ बैठते हैं.

तैयारी: स्थानीय चंद्रोदय का समय पहले से देख कर रखें. पूजा की थाली, जल का पात्र और छलनी तैयार रखें. बालकनी, छत या उपयुक्त स्थान पर चांद के दीदार की सुरक्षित व्यवस्था करें....

पूरे पर्व की चेकलिस्ट

एक सप्ताह पूर्व : साड़ी, सूट या लहंगा तैयार करवा लें. श्रृंगार का सामान भी मंगवा लें. साथ ही सरगी, बायना और शगुन की सामग्री की लिस्ट बना लें.

जब एक-दो दिन रह जाएं : सरगी के लिए फल, मेवे, मठरी और मिठाइयां खरीद लें. कथा की किताब और पूजा सामग्री जुटा लें. परिवार की रीति के अनुसार बायने के लिए शगुन तैयार कर लें.

शाम की पूजा से पहले : पूजा की थाली चेक करें. सजने के लिए समय बचाकर रखें. कथा और थाली फेरने की रस्म की तैयारी कर लें. चंद्रोदय का समय देख लें.

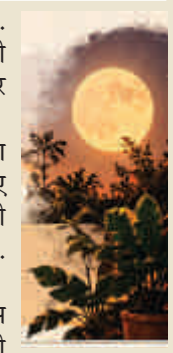

नई बहू के लिए विशेष : सास की ओर से सरगी और आशीर्वाद की थाली की तैयारी. बहू की ओर से बायना और शगुन . बहू की पसंद का उपहार. सास-बहू और पूरे परिवार की यादगार तस्वीरें बनाने का प्रबंध कर लें.

व्रत है संजीवनी शक्ति

✍ गुंजन वार्ष्णेय, ज्योतिषाचार्य

इस बार 29 अक्तूबर दिन बृहस्पतिवार को करवा चौथ एवं आकाश में उच्च कर्क राशि के देवगुरु बृहस्पति अतिशुभ संयोग बना रहे हैं. जो स्त्रियां विवाह के पश्चात प्रथम बार करवा चौथ का व्रत इस संयोग में करेंगी, उन्हें अखंड सौभाग्य, संतान आदि सुख का वरदान प्राप्त होगा. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, देवगुरु बृहस्पति की शुभ स्थिति, समृद्धि, संतान सुख और दांपत्य जीवन में मंगलकारी प्रभावों को बढ़ाती है. इस शुभ संयोग में परंपरा अनुसार, विधि- विधानपूर्वक व्रत रखने से सर्वसुख प्राप्त होगा. इसलिए मन में सकारात्मक भाव रखते हुए देवगुरु बृहस्पति का स्मरण कर चंद्र आदि देवों का पूजन करें.

अनावश्यक तनाव को दूर करने के लिए इस बार 21 बेसन के लड्डू बनाकर किसी धार्मिक स्थल पर अवश्य भेंट करें. करवा चौथ व्रत कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चंद्रोदयव्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है, जो इस वर्ष 29 अक्तूबर, गुरुवार को है. पंचांग की गणितीय गणना के अनुसार, चंद्रोदय रात्रि 07 बजकर 57 मिनट के बाद, चंद्रमा के दर्शन हो जाने पर परंपरागत तरीके से अर्घ्य देकर, करवा चौथ का पूजन विधिवत संपन्न किया जाएगा. अलग-अलग शहरों में करवा चौथ चंद्रोदय के समय में भिन्नता संभव है. करवा चौथ के दिन रोहिणी नक्षत्र का संचरण दोपहर तक है, उसके बाद मृगशिरा नक्षत्र में चंद्र दर्शन, पूजन आदि कर व्रत पूर्ण होगा.

'करवा चौथ' स्पेशल

जादू 'लाल' रंग का

रैड कलर फैस्टिव सीजन में हमेशा खास नजर आता है. अगर आप करवा चौथ, दीवाली या किसी शादी के फंक्शन के लिए रेड एथनिक लुक तलाश रही हैं, तो बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के ये स्टाइलिश लुक्स आपके लिए परफैक्ट इंस्पिरेशन हो सकते हैं. कैटरीना से लेकर जाह्नवी कपूर तक सैलेब्स ने साड़ी से लेकर लहंगे तक रैड आऊटफिट्स को बेहद खूबसूरती से स्टाइल किया है.

कैटरीना की रैड फ्लोरल साड़ी

कैटरीना कैफ का डीप रैड

फ्लोरल साड़ी लुक फैस्टिवल के लिए बेहद एलिगेंट है. उन्होंने रैड साड़ी को मैचिंग फ्लोरल ब्लाऊज के साथ स्टाइल किया था. आप चाहें तो रैड साड़ी के साथ मैचिंग या गोल्डन ब्लाऊज पहनें, साथ में गोल्ड झुमके और चूड़ियां खूब जचेंगे. इसके साथ बड़ी बिंदी लगाकर ट्रैडिशनल टच दें.

सारा का रैड एम्ब्रॉयडरी लहंगा

शादी या किसी बड़े फंक्शन में

ट्रैडिशनल और रॉयल दिखना है, तो गोल्डन एम्ब्रॉयडरी वाला रैड लहंगा ट्राई करें. सारा अली खान के रैड लहंगा लुक से इंस्पिरेशन लेकर आप फ्लेयर्ड स्कर्ट, मैचिंग ब्लाऊज और कढ़ाई वाला दुपट्टा चुन सकती हैं. हैवी दुपट्टे को एक कंधे पर ड्रैप करें, साथ में चोकर पहनें.

जाह्नवी की रैड ऑर्गेंजा साड़ी

जाह्नवी का रैड साड़ी लुक भी

कॉपी कर सकती हैं. उन्होंने रैड ऑर्गेंजा साड़ी को पर्ल एम्ब्रॉयडरी, जरी और डोरी वर्क वाले ब्लाऊज के साथ पहना था. इसके साथ उन्होंने एमराल्ड और पर्ल चोकर, स्टेटमैंट ईयररिंग्स और नोज पिन पहनी थी. करवा चौथ में यह खूबसूरत लगेगी.

दीपिका का अनारकली सूट

अगर आप लहंगे और साडी के

अलावा कुछ अलग पहनना चाहती हैं, तो रैड अनारकली सूट चुन सकती हैं. फ्लोर-लैंथ अनारकली, सुनहरी कढ़ाई और मैचिंग दुपट्टा मिलकर एक क्लासिक फैस्टिव लुक तैयार करते हैं. दीपिका पादुकोण के रैड अनारकली लुक को इस स्टाइल के लिए इंस्पिरेशन बनाया जा सकता है. सूट के साथ चूड़ीदार या स्ट्रेट पैंट पहनें.

सोनम का एथनिक लुक

रॉयल और क्लासी लुक पसंद है, तो

डबका जरदोजी या गोल्डन थ्रैड वर्क वाला रैड अनारकली सूट पहनें. सोनम कपूर के पारंपरिक एथनिक लुक्स प्रेरणा लेकर आप गहरे लाल रंग के साथ सुनहरी कढ़ाई और हैवी दुपट्टे कॉम्बिनेशन चुन सकती हैं. कुंदन ज्वैलरी, स्टेटमैंट रिंग और एम्ब्रॉयडर्ड क्लच इस लुक के साथ अच्छे लगेंगे. आऊटफिट हैवी हो, तो मेकअप थोड़ा सिंपल रखें.

सुहाना की शिमरी साड़ी

अगर पार्टी में मॉडर्न और

ग्लैमरस दिखना पसंद है, तो शिमर या हल्की सीक्विन वर्क वाली रैड साड़ी ट्राई करें. साटन, शिफॉन या शिमरी फैब्रिक की साड़ी पार्टी की लाइट्स में बेहद आकर्षक ड्रे दिख सकती है. सुहाना खान के रैड साड़ी लुक से इस तरह की स्टाइलिंग की प्रेरणा ली जा सकती है.